वार्तालाप-553, मुम्बई, दिनांक 20.04.08
Disc.CD No.553, dated 20.4.08 at Mumbai

समयः 01.54-04.30

जिज्ञासुः बाबा, अमर कथा सुनते-सुनते सीताजी सो गई थीं।

बाबाः सीताजी नहीं, पार्वती सो गई थीं।

जिज्ञासुः पार्वती सो गई थीं। और एक तोते ने चुपके से सुन लिया अमरकथा तो वो अमर बन गया।

बाबाः तोता (ने) थोड़ी कथा सुनी और थो□ी सुनकर के बाहर चला गया और पार्वती को कथा तो पुरी सुनायी गयी लेकिन वो बीच में ही सो गयी। तो ये कहाँ की बात है? (सभी - संगमयुग।) तोता कौन और पार्वती कौन? तोता अंदर बैठा ही नहीं रहता है, तोता उ□ जाता है। (किसी ने कहा - अमर बन जाता है।) हाँ, जी। उसको कोई मार न सके। उसको कोई निश्चय अनिश्चय के चक्र में गिराय न सके। और सबको निश्चय-अनिश्चय का चक्र आता रहा। और कबूतर भी थे, वो ऐसे ही गुटुर गुँ, गुटूर गुँ कर रहे थे। समझते तो कुछ भी नहीं थे। लेकिन अंदर और ही गंद कर रहे थे। यादगार कहाँ की है?

Time: 01.54-04.30
Student: Baba, Sita*ji* fell asleep while listening to the *Amarkatha* (the story of immortality).
Baba: It wasn't Sita*ji*; it was Parvati who fell asleep.
Student: Parvati had fell asleep and a parrot heard that *Amarkatha* quietly. So, it became immortal.
Baba: The parrot heard the story partly and after listening partly, it went away and the complete story was narrated to Parvati, but she fell asleep in between. So, it is about when? (Students: the Confluence Age.) So, who is the parrot and who is Parvati? The parrot does not sit inside; it flies away. (Someone said – It becomes immortal.) Yes. Nobody can kill it. Nobody can make it fall into the cycle of faith and faithlessness. All the others continued to pass through the cycle of faith and faithlessness. And there were pigeons, too. They were uttering '*gutur-gu, gutur-gu*' just like that. They did not used to understand anything. But they were creating more dirt inside. It is a memorial of when?

बेसिक ब्राह्मणों की दुनिया में वो शिवबाबा का मंदिर हो गया जैसे माउंट आबू। उसमें कबूतर अभी भी बैठे हुए है गंद करने वाले। पार्वती भी बैठी हुई है जो अज्ञान निद्रा में सोई हुई है और वह तोता थो□ समय के लिए गया और सारी कथा सुन ली और उ□ गया बाहर और चारों तरफ टिउ-टिउ करके कथा सारी सुनाय दी। तो तोता कौन हुआ? पार्वती कौन हुई? कबूतर कौन हुए? एक पार्वती की बात नहीं, एक कबूतर की बात नहीं, एक तोते की बात नहीं। तुम सब नम्बरवार तोते हो, नम्बरवार कबूतर, नम्बरवार?

सबने कहाः पार्वतियां।

बाबाः पार्वतियां । तुम सब पार्वतियां हो।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

In the world of the basic Brahmins, Mount Abu is like Shivbaba's temple. So, there are some pigeons, who create dirt, that are still sitting there. Parvati, who is sleeping in the sleep of ignorance, is also sitting. And that parrot went there for some time, heard the entire story, flew away outside and narrated the entire story everywhere by saying '*tiu, tiu*'. So, who is this parrot? Who is Parvati? Who are the pigeons? It is not about one Parvati; it is not about one pigeon; it is not about one parrot. You all are number wise (according to their capacity.) parrots, number wise pigeons, and number wise?
Everyone said – Parvatis.
Baba: Parvatis. You all are Parvatis.

समयः 05.42-11.05

जिज्ञासुः बाबा, संगमयुगी राधा कृष्ण के लिए बोला है कि उनके मात-पिता विकारों की जेल में हैं।

बाबाः संगमयुगी कृष्ण हैं, जिनके मात-पिता के लिए दिखाते हैं कि उन्होंने प्रत्यक्षता रूपी जन्म दिया। तो संगमयुगी राधा-कृष्ण तो सभी को पता है कि राधा का पार्ट किसका है, कृष्ण का पार्ट किसका है, लेकिन उनको प्रत्यक्ष किसने किया? ब्राह्मणों की संगमयुगी दुनिया में ए□वांस पार्टी में प्रत्यक्ष करने के निमित्त कौन बनें? कोई आत्माएँ है? (कोई ने कहा - विदेशी बाप को प्रत्यक्ष करते हैं।) हाँ, विदेशी बाप को प्रत्यक्ष करते हैं। और दक्षिण भारत है भारत का विदेश। दक्षिण भारत है भारत के अनुसार, उत्तर भारत के मुकाबले दक्षिण भारत है भारत का विदेश। और इधर ए□वांस ज्ञान फैल गया। अभी भी उत्तर भारत में नहीं उठा रहे हैं। और जो दूसरे देश और दूसरे परम्पराओं की आत्माएँ है, वो ए□वांस ज्ञान को उठा रही हैं दक्षिण भारत की। तो उनको उकसाया किसने? हिस्ट्री को पक□ तो पता लग जायेगा।

Time: 05.42-11.05
Student: Baba, it has been said about the Confluence Age Radha and Krishna that their parents are in the jail of vices now.
Baba: It is shown for the parents of the Confluence Age Krishna that they gave him a revelation like birth. So, everyone knows about the Confluence Age Radha and Krishna that who plays the part of Radha and who plays the part of Krishna, but who revealed them? In the Confluence Age world of Brahmins, in the Advance party who became instruments for revealing them? Are there any souls? (Someone said – The foreigners reveal the Father.) Yes, the foreigners reveal the Father. And the south India is the foreign land within India. From the point of view of India, when compared to north India, south India is a foreign land in India. And the advance knowledge has spread here. Even now [people] are not grasping (knowledge) in north India. And the souls of other countries, other traditions belonging to south India are grasping the advance knowledge. So, who provoked (i.e. inspired) them? If you analyze the history, you will know.

बम्बई तो बाद में निकला महाराष्ट्र, आन्ध्रा तो बाद में निकला। कलकत्ता, बंगाल, बिहार तो बाद में निकला। पहले कौनसा ज़ोन निकला? कर्नाटक निकला। तो कर्नाटक में जाकर कोई ने सेवा की होगी। जो सेवा के निमित्त बने शुरूवात में, और उनकी सेवा के करने के कारण

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

पहले-2 आकर के ए□वांस पार्टी में उन्होंने ए□वांस ज्ञान लिया, साप्ताहिक कोर्स किया, उन्होने जाकर के वहाँ लेहर फैला दी। ढेर की ढेर पार्टियाँ आने लगी कर्नाटक से। तो प्रत्यक्षता रूपी जन्म दिया ना। (कोई ने कहा – उनको मात-पिता कहेंगे?) मात-पिता ही तो बच्चों को जन्म देते हैं और कौन देता है? बच्चों को जो गुप्त होते हैं गर्भ जेल में, उनको प्रत्यक्ष करने वाले कौन होते हैं? मात-पिता ही उनको जन्म देते हैं। वो है हद की बात और ये है बेहद की बात।

Mumbai emerged later on, Maharashtra, Andhra emerged later on, too (within the Advance Party). Calcutta, Bengal, Bihar emerged later on. Which zone emerged first? Karnataka emerged (first). So, someone must have gone for service in Karnataka. Those who became instruments for service in the beginning, and because of their service, they (i.e. residents of Karnataka) came and took the advance knowledge, the weekly course in the advance party first of all, they went and spread that wave there. Numerous parties started coming from Karnataka. So, they gave [them (Confluence Age Radha-Krishna)] a revelation like birth, didn't they? (Someone said: will they be called their parents?) It is the parents who give birth to the children; who else gives birth? Who reveals the children, who are hidden in a jail like womb? It is the parents who give birth to them. That is in a limited sense and this is in an unlimited sense.

संगमयुगी जो राधा-कृष्ण बनने वाली आत्माएँ हैं उनको विदेशियों के बीच में प्रत्यक्ष करने का कार्य पहले-2 उन्हीं आत्माओं ने किया जो यज्ञ के आदि में तो नहीं प्रत्यक्ष हुई थीं, लेकिन ए□वांस पार्टी के आदि में प्रत्यक्ष हुई, और उन्होंने बीजारोपण किया, बीज बोया परंतु अंतर ये हुआ कि राधा-कृष्ण वाली आत्माएँ निर्विकारी रहीं और वो विकारों की जेल में प□ रहे। अभी भी प□ हुए हैं। ए□वांस ज्ञान से महरूम हैं। बहुत से भाई बहनों को उनके नाम भी मालूम होंगे। वो आत्माएँ कौन हैं, जिन्होने संगमयुगी राधा-कृष्ण को ब्राह्मणों की ए□वांस दुनिया में प्रत्यक्ष किया। कोई को पता नहीं? (किसीने कहा – रवीश सक्सेना।) किस आधार पर नाम लिया? (कोई ने कहा – आंध्र प्रदेश में जाकर पहले-2 सेवा की थी।) आंध्र में नहीं की। कर्नाटक में जाकर सेवा की । पहले-2 ए□वांस की भट्ठी उसी ने की कम्पिल में जाकर के और भट्ठी करने के बाद 76-77-78 में तो विरोधी हो गए थे ये लोग। विरोधी होने के बाद 86 में जाकर उन्होने पूरे ए□वांस ज्ञान को समझ लिया और समझने के बाद फिर कर्नाटक में जाकर के उस ज्ञान को सुनाया। तो ढ़ेर सारी आत्माएं निकल पड़ीं।

The task of revealing the souls who are going to become the Confluence Age Radha and Krishna among the foreigners (*videshis*) was performed first of all by those very souls which were not revealed in the beginning of the *yagya*, but were revealed in the beginning of the Advance Party and they sowed the seed; they sowed the seed, but the difference was that the souls of Radha and Krishna remained the ones without vice and they (i.e. their parents) remained in the jail of vices. They are still laying there. They are deprived of the advance knowledge. Many brothers and sisters must be aware / knowing of their names too. Who are the souls which revealed the Confluence Age Radha and Krishna in the advance world of Brahmins? Nobody knows? (Someone said: Ravish Saxena.) On what basis did you mention his name? (Someone said: He went to Andhra Pradesh first of all for service.) He did not do

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

service in Andhra. He went to Karnataka for service. He was the first one to go to Kampil and do the *bhatti* in the advance (knowledge). And after doing *bhatti*, these people had become opponents in the year 1976-77-78. After becoming opponents, they understood the complete advance knowledge in 1986 and after understanding it, they went to Karnataka and narrated the knowledge; so, numerous souls emerged.

समयः 16.40-17.00

जिज्ञासुः बाबा, पान का बीड़ा उठाने का मतलब क्या है?

बाबाः पान का बीड़ा उठाना माना कोई प्रतिज्ञा लेना, करके दिखाना बड़ा काम जो दुनिया में कोई और न करके दिखा पाए। हिम्मत करना कि हम ये बड़ा काम करके दिखायेंगे।

Time: 16.40-17.00
Student: Baba, what is meant by '*paan ka beeda uthana'*?
Baba: '*Paan ka beeda uthana'* means making a pledge, performing such a big task which nobody else in the world can perform. To show the courage: "I will perform this big task".

समयः 17. 05-18.15

जिज्ञासुः शंकर को भक्तिमार्ग में अड़भंगा क्यों कहते हैं?

बाबाः महाकाली को भी अड़भंगा कहते हैं। शंकर को भी अड़भंगा कहते हैं। उनका काम कैसा है? समझ में आने योग्य उनका पार्ट है? ना शंकर का पार्ट समझ में आने योग्य है ना महाकाली का पार्ट समझ में आने योग्य है। इसलिए दोनों को अड़भंगा कहा हुआ है। महाकाली है रचना और शंकर है रचयिता। रचयिता के मुकाबले रचना को समझना और ही मुश्किल होता है। रचयिता का रहस्य तो फिर भी समझ में आ जाता है लेकिन रचना की गहराई और ही ज्यादा मुश्किल है। भक्तिमार्ग में भी कहते हैं – त्रिया चरित्रम पुरुषस्य भाग्यम दैवो न जानाति कुतो मनुष्य।

Time: 17.05-18.15
Student: Why is Shankar called '*arbhanga*' (crooked) in the path of *bhakti* (devotion)?
Baba: Mahakali is also called *arbhanga*. Shankar is also called *arbhanga*. How is his task? Is his part understandable? Neither Shankar's part nor is Mahakali's part understandable. This is why both have been called *arbhanga*. Mahakali is the creation and Shankar is the creator. When compared to the creator, it is even more difficult to understand the creation. The secret of the creator can still be understood, but the depth of the creation is even more difficult. Even in the path of *bhakti* it is said: *Triya charitram, purushasya bhaagyam, daivo na jaanaati kuto manushya* (When the nature of women and fortune of men cannot be understood by God, how can a human being understand it?)

समयः 18.25-19.37

जिज्ञासुः बाबा, सारी ोर शिव के....

बाबाः सारी ोरी शिवबाबा के हाथ में है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः बेहद का अर्थ.....

बाबाः बेहद का अर्थ ये है कि एक शिवबाबा दूसरा न कोई। ऐसा जो पुरुषार्थ करता है वो किसी और का आसरा लेने की दरकार नहीं है उसको।

जिज्ञासुः जो बच्चे जैसा नाचे है वैसे....

दूसरा जिज्ञासुः जो बच्चे जैसे नाचते हैं वैसे ही नचायेगा बाबा।

बाबाः जैसे नाचते हैं वैसे ही नचायेगा? सो क्यों नचायेगा? बाबा को जैसा नचाना होगा वैसे नचायेगा।

जिज्ञासुः कोई मनमत से भी काम करते हैं।

बाबाः मनमत से जो काम करते हैं उनको भी ठिकाने लाएगा। उनको भी ठिकाने आना पड़ेगा। सारी दुनिया को सुधरना पड़ेगा। नम्बर आगे पीछे हो सकता है।

जिज्ञासुः अपनी मनमत चलाते हैं।

बाबाः अपनी मनमत चलाते हैं तो भी उनको सुधरना पड़ेगा आखरीन।

Time: 18.25-19.37
Student: Baba, the entire thread (of the puppet) [is] in the hands of Shiva.....
Baba: The entire thread is in the hands of Shivbaba.
Student: [What is] its meaning in an unlimited sense?
Baba: The meaning in an unlimited sense is: 'One Shivbaba and no one else'; the one who makes such *purusharth* (spiritual effort) need not take the support of anyone else.
Student: The way in which the children dance....
Another Student: Baba will make the children dance in the way they dance.
Baba: He will make them dance as they dance? Why will He make them dance (as He wants them to)? Baba will make them dance in the way He wishes.
Student: Some also act according to the opinion of their mind (*manmat*).
Baba: He will set right even those who act according to their mind. They will also have to come to their senses. The entire world will have to reform. They may [reform] sooner or later.
Student: They follow the opinion of their mind.
Baba: Even those who follow the opinion of their mind will have to reform ultimately.

समयः 37.26-38.17

जिज्ञासुः बाबा नेपाल में अभी चुनाव हुआ। तो वहाँ पर जो आतंकवादी ग्रुप था वो चुनाव में जीत गया। और जो वहाँ के राजा थे उनको बोला कि तुम्हारा राजपाट लेके भाग जाओ।

बाबाः भाग कहाँ जाएगा, रहेगा अंदर ही। (जिज्ञासु - नहीं, रहेगा मतलब राजपाट खतम हो जाएगा उसका।) हो जाएगा क्या, हो गया? महीनों बीत गए। तो बेहद के नेपाल में ऐसे ही नहीं हो रहा है क्या? (जिज्ञासु - यहाँ तो पहले से हुआ प□ा है।)

बाबा- हाँ, जी। ए□वांस क्यों कहा गया? (जिज्ञासु - जो वहाँ से निकले वो ए□वांस हो गए।) हाँ, जो आगे-आगे जाए सो एड़वांस।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 37.26-38.17
Student: Baba, recently elections were held in Nepal and the terrorist group won the elections there. And the emperor of that country was asked to leave his kingship and run away.
Baba: Where will he go? He will just remain inside. (Student: No, he will remain [inside]. [I mean to say,] his kingship will end.) [Not that] It **will** happen. It has already happened. Many months have passed. Isn't the same thing happening in the unlimited Nepal?
Student: It has already happened here.
Baba: Yes. Why was it called advance? (Someone said: Those who emerged from there (basic knowledge) became advanced.) Yes, the ones who gallop ahead are advanced.

समयः 39.55-40.45

जिज्ञासुः अष्ट देवों में और त्रिमूर्ति में बाबा कितना अंतर है?

बाबाः अष्ट देवों में से जो आठों देवताएँ है वो पहली मूर्ति के भांती है।

जिज्ञासु - रूद्रमाला जैसी।

बाबा- हाँ, जी। और जो बाकि दूसरी मूर्तियाँ है, वो हीरो पार्टधारी नहीं कही जाती है। दूसरी मूर्ति तो हीरोईन है। तो उसके फॉलोअर्स सब हीरोइन मिसल होंगे या हीरो होंगे? (सभी-हीरोइन।) आज की दुनिया में कोई हीरोइन खाते है उनका क्या हाल होता है? (जिज्ञासु - बहुत मस्त रहते हैं अंदर-2।) अंदर-अंदर मस्त रहते हैं और बाहर से?

Time: 39.55-40.45
Student: What difference is there between the eight deities and Trimurty (the three personalities)?
Baba: Among the eight deities, all the eight deities are like the first personality. (Student: Like the *Rudramala*[1].)
Baba: Yes. And the remaining personalities are not called hero actors. The second personality is the heroine. So, will all her followers be like heroines or like heroes? (Students: Heroine.) In today's world, what happens to those who eat heroin[2] (tobacco)? (Student: They remain very intoxicated from within.) They remain intoxicated from within and from outside?

समयः 44.50-47.44

जिज्ञासु - बाबा यज्ञ के आदि में जो संगठन बना था, उस संगठन को रामवाली आत्मा छोड़कर चली गई। तो बाबा ने कहा कि राम और उनके फालोवर्स फेल हो गये। बाबा ने ये भी कहा है कि राम वाली आत्मा माना बाबा ने कहा कि बाप का लाश भी गुम कर दिया। तो यज्ञ छोड़ के जाने के बाद लाश गुम कर दिया था या लाश गुम करके उनको अलग कर दिया?

बाबा - जब झगड़ा होता है तो झगड़े के कारण लाश गुम की जाती है या सामान्य स्थितियों में लाश गुम की जाती है? कुछ झग□ा होता है तो लाश गुम की जाती है।

[1] Rosary of Rudra
[2] a type of addictive drug

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु - फिर यज्ञ को उन्होने छोड़ा नहीं था ना राम वाली आत्मा ने।

बाबा - यज्ञ किसे कहा जाता है? यज्ञ तो ज्ञान को कहा जाता है।

जिज्ञासु - वो जो संगठन था बाबा.....

बाबाः नहीं, संगठन को यज्ञ नहीं कहा जाता है।

जिज्ञासु- नहीं, वो जो संगठन था उस संगठन को तो बाबा ने छोड़ा नहीं था, सेवकराम ने।

Time: 44.50-47.44
Student: Baba, the soul of Ram left the gathering that was formed in the beginning of the *yagya*. So, Baba said: Ram and his followers failed. Baba has also said that the soul of Ram; I mean to say, Baba has said: the Father's corpse was also made to vanish. So, was the corpse made to vanish after he left the *yagya* or was he separated [from the *yagya*] by making his corpse to vanish?
Baba: Is a corpse made to vanish due to a dispute when a dispute arises or is a corpse made to vanish in ordinary circumstances? A corpse is made to vanish when some dispute takes place.
Student: So, the soul of Ram did not leave the *yagya*, did he?
Baba: What is meant by *yagya*? Knowledge is called *yagya*.
Student: That gathering Baba…
Baba: No, a gathering is not called *yagya*.
Student: No, Baba, Sevakram had not left that gathering.

बाबा - ज्ञान को यज्ञ कहा जाता है, संगठन को यज्ञ नहीं कहा जाता । ज्ञान जो है शुरूवात में पूरा नहीं था, पूरी बातों का जबाब नहीं मिला। जब पूरी बातों का जबाब नहीं मिला और बुद्धिमान आत्मा को तो बुद्धि का भोजन चाहिए। तो जब सब बातों का वहाँ जबाब ही नहीं था इसलिए छो□कर चले गए।

जिज्ञासु - छो□कर चले जाने के बाद जो लाश गुम करने की बात आती है ना बाबा....

बाबा - फिर भी झग□ा तो चालू रहता है कोई छो□ कर भले चला जाए। जो पीछे पड़ने वाले हैं वो पीछा छोड़ देते हैं क्या?

जिज्ञासु - लेकिन बाबा जो रास्ते का कांटा था; सेवकराम जो है उस संगठन के लिए एक रास्ते का कांटा था कि अपने आप को जो साबित नहीं कर पा रहे थे वो लोग तो उनके लिए वो जब हट गया.....

बाबाः हट कहाँ गया? हट कर दुनिया में से कहीं बाहर चला चाएगा?

जिज्ञासु - नहीं, दुनिया से बाहर तो नहीं गया।

बाबा – फिर? दुनिया के अंदर रहेगा तो पकड़ में तो आएगा।

Baba: Knowledge is called *yagya*. A gathering is not called *yagya*. The knowledge was not complete in the beginning [of the *yagya*]. He did not receive answers to all his questions. When he did not receive answers to all his questions; and an intelligent soul requires food for its intellect. As the answers to all questions were not available there, he left the *yagya* and went away.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: As regards the topic of making the corpse to vanish after he left the *yayga*…
Baba: Although, someone may leave and go away, the dispute continues. Do those who chase, stop chasing?
Student: But Baba, the one who was an obstacle [for them]; Sevakram was an obstacle for that gathering. [Because of him] they were not able to prove themselves; so, when he got off their path…
Baba: He did not get away. Will he get away and go somewhere out of the world?
Student: No, he did not go out from the world.
Baba: Then? When he lives within the world, he will certainly be caught, won't he?

जिज्ञासु - तो बाहर जाकर उन्होने अपना अलग से कुछ संगठन बनाया था बाबा?
बाबा - क्या बनाने की जरूरत है? अलफ को मिला अल्लाह। उन्हें यह पक्का निश्चय हो गया कि हमें तो परमात्मा बाप मिल गया। हमें क्या दरकार? ज्ञान क्लीयर नहीं हो रहा है तो ना सही। जब टाईम आएगा तब क्लीयर हो जाएगा।
जिज्ञासु - तो फिर यह क्यों कहा गया कि राम फेल हो गया?
बाबा - राम फेल हो गया इसलिए कि उस समय इतना ज्ञान नहीं था। ज्ञान न होने के वजह से फेल हुआ। राम अकेला फेल होता है क्या? कि सारे ही फेल होते हैं? (सभी - सारे ही फेल होते हैं।) फिर? कोई पहले फेल हो गया। कोई बाद में फेल हो गए।
जिज्ञासु - परंतु उस समय बाबा ने राम और राम के फालोवर्स.....
बाबा - हाँ, तो अच्छी बात हुई ना, राम और राम के फालोवर्स पहले फेल हो गए, माना पहले अनुभवी बन गए। जो पहले अनुभवी बनेंगे उनके पास होने की संभावना रहती है या नहीं रहती है? (सभी – रहती है।) उनके पास होने की संभावना हो जाती है।

Student: So, did he form some separate gathering after going out Baba?
Baba: What is the need to form [a separate gathering]? Alaf found *Allah* (God). He developed this firm faith, "I have found the Supreme Soul Father. What is the need for me? If the knowledge is not becoming clear, it doesn't matter. When the time comes, it will become clear".
Student: Then why was it said that Ram failed?
Baba: Ram failed because there was not much knowledge at that time. He failed as the knowledge wasn't present. Does Ram alone fail? Or does everyone fail? (Everyone said: everyone fails.) Then? Someone failed in the beginning, some failed later.
Student: But Baba, at that time Ram and his followers……
Baba: Yes, it is a good thing, isn't it, that Ram and Ram's followers failed first; it means that they became experienced first. Those who will become experienced first; is there a possibility for them to pass (in future) or not? So, there is a possibility for them to pass.

समयः 48.38-49.38
जिज्ञासु - बाबा, काली का वचन कभी खाली नहीं जाता है।
बाबा - ठीक है।
जिज्ञासु - किसके लिए कहा?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा - वो वचन के कारण ही तो उसकी यादगार ज़बान निकली हुई है बाहर। इतनी लम्बी ज़बान और किसी की होती है दिखाते हैं किसी की? देवी-देवता की? उसके वचनों में ही तो ताकत है। वायब्रेश्न में ताकत नहीं है लेकिन उसके वचन में ताकत है। वो जो कुछ भी वचन बोला, जो भी कैसेटें चली हैं माँ की वो बाबा की वाणी के बरखिलाफ चली है क्या? (सभी – नहीं।)

जिज्ञासु - बाबा ये शिवबाबा को कहा है। काली कलकत्ते वाली तेरी वचन न जाए खाली।

बाबा – तो?

जिज्ञासु - इसके यादगार में शिवबाबा को .....

बाबा - जब शिवबाबा की ही वाणी बोलेगी, दूसरी वाणी बोलेगी ही नहीं तो वचन खाली क्यों जाएगा?

Time: 48.38-49.38
Student: Baba, Kali's words never fail.
Baba: It is correct.
Student: For whom is this said?
Baba: It is because of [the power] of her speech itself that her tongue is [shown] protruding as a memorial. Does anyone else have such a long tongue? Are any of the deities shown to have [such a long tongue]? There is power in her words itself. There is no power in her vibrations, but there is power in her words. Whatever words she spoke, all the cassettes of the mother (Jagadamba) that have been recorded – are they against Baba's *vani*?
Student: Baba, this has been said for Shivbaba. *Kali kalkattey vali, teri vachan na jaye khaali* (O Kali of Calcutta! Your words never fail.)
Baba: So?
Student: In its memorial, Shivbaba….
Baba: When she narrates Shivbaba's *vani* itself, when she does not narrate any other *vani* at all, then will her words fail?

समयः 49.48-52.31

जिज्ञासु - बाबा निश्चयबुद्धि जो हैं वो विजयंती के लिस्ट में जाते हैं।

बाबा - हाँ, जी।

जिज्ञासु – तो राम वाली, सेवकराम की आत्मा को उस समय जब निश्चय हो चुका था कि...

बाबा - ड्रामा के ऊपर तो निश्चय नहीं हो गया। तीनों बातों पर निश्चय चाहिए। अपनी आत्मा के पार्ट के ऊपर भी निश्चय चाहिए, बाप के ऊपर भी निश्चय चाहिए और ड्रामा के ऊपर भी निश्चय चाहिए। उस समय ना आत्मा का पार्ट खुला, आत्मा का पार्ट खुल ही नहीं सकता जब तक ड्रामा का पूरा पार्ट ना खुले। हाँ, ये बात उनको क्लियर हो गई कि शिव बाप आया हुआ है इस सृष्टि पर, नई सृष्टि बनाने के लिए। स्थापना का कार्य अभी इनके द्वारा चलना है, ब्रह्मा के द्वारा।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 49.48-52.31
Student: Baba, those who have a faithful intellect come in the list of *vijayanti* (those who gain victory in the end).
Baba: Yes.
Student: So, when the soul of Ram, the soul of Sevakram had developed faith at that time that…
Baba: He did not develop faith on the drama. Faith is required in all the three aspects. Faith on the part of one's soul is also required; faith on the Father is also required and faith on the drama is required as well. At that time neither the part of the soul was revealed; the part of the soul cannot be revealed at all until the entire part of the drama is revealed. Yes, it became clear to him that the Father Shiva has come in this world to make a new world. The task of establishment is now going to be played through this one, through Brahma.

जिज्ञासु - बाबा मुरली में यह भी बताया कि कोई राजा जो है, युद्ध करता है, युद्ध करते-2 जब हार जाता है तो अगले जन्म में वो उसी संकल्प से आकर फिर से तुरंत युद्ध करता है।
बाबा - जो युद्ध करते-2 शरीर छो□ता है वो हारा हुआ थो□ ही माना जाता है। वो तो वीरगति को प्राप्त हुआ। हारा कहाँ? उसने मन के अंदर से अपने वायब्रेशन से हार कहाँ मानी?
जिज्ञासु - उसी प्रकार सेवकराम ने उस समय वीरगति को प्राप्त की।
बाबा - ठीक है।

Student: Baba, it has also been said in the Murli that if a king is defeated while fighting a war; so, in his next birth he starts fighting a war immediately with the same thought once again.
Baba: The one who leaves his body while fighting a war is not considered defeated. He died a brave man's death. He did not lose. He did not accept defeat from within his mind, through his vibrations.
Student: Similarly, Sevakram died a brave man's death at that time.
Baba: It is correct.

जिज्ञासु - राम वाली आत्मा जब दुबारा आती है तो आकर वो अपना एक संगठन बनाने की तैयारी करती हैं, अपने आपको जब समझती हैं।
बाबा – ठीक है।
जिज्ञासु – तो बाबा ने जो आज बात कही कि 68 में शक्ति सेना जो बन रही है बम्बई में वो किस आधार पर कही ?
बाबा - 68 में ही क्यों कही? 67 में क्यों नहीं कही? 68 में मेल हो गया होगा शिव का शक्ति के साथ।
जिज्ञासु - शिव का शक्ति के साथ?
बाबा - और क्या?
जिज्ञासु - अभी जो साकार पार्ट है वो 68 में बम्बई में आए थे क्या?
बाबा - बम्बई में क्यों आने की जरूरत है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु - अहमदाबाद में जो पढाई के लिए गए थे 69 में...

बाबा: ठीक है।

जिज्ञासु: तो पहले बम्बई आकर गए थे ?

बाबा - अरे, ये तो अनुमान की बात हो गई। अनुमान से तो नुकसान हो जाएगा। (किसी ने कहा – बम्बई में वो टाईम में शिवसेना जरूर बनी थी।) हाँ, शिव सेना बनी थी। वो बेहद की बम्बई है, ये हद की बम्बई है। वो बम्बई में समन्दर को सुखाया जाता है। वो स्थूल समन्दर है और वो चैतन्य समन्दर है जिसको सुखाया गया।

Student: When the soul of Ram returns, it makes preparations to make a gathering of his own, when he understands himself.
Baba: It is correct.
Student: So, Baba said about the *shakti sena* (*shakti* army) that was established in 1968, in Bombay – on what basis was it said?
Baba: Why was it said only in 1968 and not in 1967? Shiva must have met with *shakti* in 1968.
Student: Shiva with *shakti*?
Baba: Yes, indeed.
Student: Did the corporeal part that is present now come to Bombay in 1968?
Baba: What is the need to come to Bombay?
Student: When he went to Ahmedabad for studies in 1969…
Baba: Alright.
Student: Did he come to Bombay before that?
Baba: Arey, that is only a guess. Guesses will prove harmful. (Someone said: *Shiv sena* was certainly established in Mumbai at that time.) Yes, *Shiv sena* was established. That is Bombay in an unlimited sense [and] this is Bombay in a limited sense. The ocean is dried in that Bombay. That is a physical ocean and that is a living ocean which was dried up.

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info